Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006

Participants : Argal Shri Ashok

an>

Title: Loss of revenue in Agricultural Sector due to growth of 'Gajar' grass.

श्री अशोक अर्गल : सभापति महोदय, सबसे पहले मैं इस स्थान से बोलने की अनुमति चाहता हूं।

सभापति महोदाय: ठीक है, आप बोलिये।

श्री अशोक अर्गल : देश के अंदर एक ऐसी जहरीली खरपतवार है जिसका नाम गाजर घास है। मैंने एक वैज्ञानिक का लेख पढ़ा था। उसमें लिखा है कि इससे एक घंटे में कम से कम 20 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। पूरे देश में गाजर घास फैल रही है। यह खरपतवार 1965-66 में गेहूं के माध्यम से अमेरिका से आयी है। मैं केन्द्र सरकार से मांग करता हूं कि गाजर घास की रोकथाम के लिए कोई इंतजाम करके इसे नट किया जाये। यदि इसे नट नहीं करेंगे तो इससे देश में अनेक तरह की बीमारियां फैल रही हैं जिनमें एग्जिमा, एलर्जी, दमा, बुखार आदि बीमारियां शामिल हैं। ये बीमारियां मानव में भी फैल रही हैं। यदि यह आंखों में लग जाए तो आखों को काफी नुकसान होता है। यदि इसे हाथों से काटा जाए तो उस आदमी को पूरी रात नींद नहीं आती है क्योंकि इससे शरीर में खुजली होती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करता हूँ कि इसकी रोकथाम के लिए पूरे देश में मुहिम चलाई जाए। मेरे ग्वालियर-चंबल संभाग में यह घास बड़ी मात्रा में पायी जाती है। नहरों, खेतों, तालाबों आदि के आस-पास यह बहुतायत में होती है। किसानों की फसलों को भी नुकसान होता है। जमीन की उर्वरा शक्ति भी कमजोर हो जाती है।

सभापति महोदय : आपने बहुत अच्छा प्रश्न उठाया है।

श्री अशोक अर्गल : महोदय, इसके एक पौध से साल भर में 25,000 पौधे पैदा होते हैं। इस तरह यह एक गंभीर समस्या है। चाहे इसे पर्यावरण मंत्रालय देखे या कृषि विभाग देखे, मैं अनुरोध करता हूँ कि सरकार इसमें इन्टरफेयर करे और इसे रोकने के लिए प्रयास करे।